शिव तुम कितने सुंदर हो भजन लिरिक्स

सोहे हैं गंग की धार,
सर्पों का गले में हार,
तेरा अद्भुत है सिंगार,
शिव तुम कितने सुंदर हो,
तुम कितने सुंदर हो।bd।

तर्ज – ना कजरे की धार।

तेरा रूप है अजब निराला,
कहलाये डमरू वाला
कानों में बिच्छुवन माला,
आंखों में तेज मतवाला,
माथे पे सोहे चंदा,
माथे पे सोहे चंदा,
तुझमें ही जगत का सार,
तन पर हो भस्म रमाये,
और बाघम्बर लिपटाये,
ओ नंदी के असवार,
शिव तुम कितने सुंदर हों,
तुम कितने सुंदर हो।bd।

नही है इस सकल जगत में,
भोले समान कोई दानी,
देवों के देव कहलाये,
जपते इसे योगी ध्यानी,
खुद पीले विष की गगरी,
खुद पीले विष की गगरी,
दुनिया को अमृत धार,
नित भंग धतुरा खाये,
और डमरू जोर बजाए,
भोले की महिमा अपार,
शिव तुम कितने सुंदर हों,
तुम कितने सुंदर हो।bd।

संकट से सदा उबारे,
जो ध्याये निर्मल मन से,
दर्शन देके भाग्य सँवारे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

काटे क्लेश जन जन के,
जिसने भी जो वर मांगा,
जिसने भी जो वर मांगा
पा जाता वही वरदान,
त्रिपुरारी भोले भंडारी,
करते नंदी की सवारी,
मिल बोलो नम: शिवाय,
शिव तुम कितने सुंदर हों,
तुम कितने सुंदर हो।bd।

सोहे हैं गंग की धार,
सर्पों का गले में हार,
तेरा अद्भुत है सिंगार,
शिव तुम कितने सुंदर हो,
तुम कितने सुंदर हो।bd।

स्वर / रचना – मुकेश कुमार जी।
9660159589

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com